

करना 2. किसी आधार या सहारे पर रुका रहना, होशियार या सावधान होना 3. चोट या हानि से बचाव करना 4. रोग से छूटकर स्वास्थ्य प्राप्त करना 5. चंगा होना।

**सँभाल स्त्री.** (तद्.) निगरानी, देख-रेख, रक्षा, हिफाजत, पोषण या देखरेख आदि का भार, तन-बदन की सुध।

**सँभाला पुं.** (देश.) दे. संभाला।

**सँभालू पुं.** (देश.) श्वेत सिंधुवार वृक्ष, मेवड़ी।

**सँवर स्त्री.** (तद्.) 1. स्मृति, स्मरण, याद, वृत्तांत 2. हाल 3. खबर।

**सँवरना क्रि.** (तत्.) बिगड़ी हुई चीज का फिर से सुधरना, बनना या ठीक होना।

**सँवरिया वि.** (देश.) साँवला, कृष्ण।

**सँवार स्त्री.** (देश.) 1. सँवरने या सँवारने की क्रिया, भाव या स्थिति 2. सँवारा या सँवारा हुआ रूप 3. संशोधन 4. 'मार' के स्थान पर मंगल-भाषित रूप में बोला जाने वाला शब्द जैसे- तुझ पर खुदा की सँवार अर्थात् खुदा की मार पड़े 5. हाल, समाचार।

**सआदत स्त्री.** (तत्.) 1. अच्छाई, भलाई 2. सौभाग्य 3. प्रताप, तेज 4. बरकत।

**सआदतमंद वि.** (अर.) 1. भला, सज्जन 2. आज्ञाकारी (संतान आदि के लिए) फर्याबरदार 3. भाग्यशाली, भाग्यवान, सौभाग्यशाली 4. तेजोमय।

**सईकंटा पुं.** (देश.) एक प्रकार का पेड़।

**सईद वि.** (अर.) 1. मांगलिक, शुभ 2. उत्तम, भला, तेजस्वी 3. खुशनसीब पुं. मिट्टी, पृथ्वी, जमीन।

**सऊदी अरब पुं.** (अर.) मध्य अरब में एक आधुनिक राज्य जो पहले हिजाज के नाम से जाना जाता था, इसकी राजधानी मक्का है।

**सकट पुं.** (तद्.) 1. शाखोट वृक्ष, सिंहोर 2. शकट छकड़ा/गाड़ी।

**सकटान्न पुं.** (तद्.) अशौच (अशुद्धि की स्थिति) वाले व्यक्ति का अन्न या अनाज जो अग्राह्य माना जाता है।

**सकटी स्त्री.** (तद्.) छोटा सग्गड़, सगड़ी, अंगीठी जलाने का पात्र।

**सकड़ी स्त्री.** (देश.) 1. सिकरी, सिकड़ी, सांकल, जंजीर, जंजीर जैसा एक गले में पहनने का आभूषण 2. करधनी।

**सकत स्त्री.** (तद्.) 1. शक्ति, बल, सामर्थ्य 2. धन संपत्ति अव्य. 3. जहां तक हो सके, भर'सक।

**सकता स्त्री.** (देश.) 1. शक्ति, ताकत, बल, सामर्थ्य पुं. मूर्च्छा नामक एक रोग 2. भौंचक्कापन, स्तब्धता 3. पद्य के चरणों में होने वाली यति, विराम 4. कविता में यति भंग दोष।

**सकन पुं.** (देश.) 1. लता, बेल 2. कस्तूरी, मुश्कदाना।

**सकना अ.** (देश.) कोई कार्य करने में समर्थ होना, करने योग्य होना जैसे- कह सकना, बैठ सकना।

**सकपक वि.** (देश.) अनुरणन, स्त्री. सकपकाना, सकपकाने की क्रिया या भाव।

**सकपकाना अ.** (देश.) 1. चकित होना, चकपकाना 2. हिचकना, आगा पीछा करना, हिचकना, संकोच करना 3. लज्जित, शर्मिन्दा होना 4. असमंजस, दुविधा में डालना।

**सकरकंदी स्त्री.** (तद्.) मटमैले रंग का लगभग मूल के आकार का मीठा कन्द जिसे उबाल कर या भून कर खाया जाता है।

**सकर, खंडी स्त्री.** (तद्.) साफ न की गई गुड़ के रंग की चीनी, खांड, शक्कर।

**सकरना क्रि.** (देश.) 1. स्वीकार, सकारा जाना, अंगीकृत होना, मंजूर होना, हुंडी, चेक सकरना 2. माना जाना जैसे- कीमत सकरना 3. जाना।

**सकरपाला पुं.** (फा.) 1. शकर-पारा एक प्रकार का फल जो नींबू से कुछ बड़ा होता है 2. आटे/ मैदे